तीन जिलों में बनेंगे ईएसडीएम पार्क

लखनऊ। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को नई गति देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पीलीभीत, बाराबंकी और गोरखपुर में पीपीपी मॉडल पर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणाली डिजाइन व विनिर्माण (ईएसडीएम) पार्क स्थापित करेगी। इस संबंध में बुधवार को लखनऊ में आयोजित उच्च स्तरीय गोलमेज बैठक में देश-विदेश की 30 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने भाग लिया और प्रदेश की औद्योगिक नीतियों पर भरोसा जताया।

औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने बताया कि उद्योग स्थापना की प्रक्रिया सरल बनाने के लिए निवेश मित्र 3.0 जल्द लागू होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकसित भूमि बैंक, लॉजिस्टिक्स क्षेत्र, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति और सूचना पार्क उन्नत विनिर्माण को मजबूत आधार दे रहे हैं। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि सरकार 2047 तक साठ खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और उभरती तकनीकों को विशेष प्रोत्साहन दे रही है। उन्होंने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा और दादरी मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब को औद्योगिक विकास की प्रमुख कड़ी

इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को मिलेगी उड़ान, उद्योगपतियों ने सरकार पर जताया भरोसा

बताया। सलाहकार केवी राजू ने निवेशकों को विश्वास दिलाया कि सरकार हर प्रस्ताव पर समयबद्ध कार्रवाई कर रही है। नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था और उपलब्ध तकनीकी प्रतिभा उत्तर प्रदेश को नवाचार आधारित विनिर्माण का हब बना रही है।

आईटी विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव के अनुसार देश में बनने वाले मोबाइल फोनों का लगभग आधा उत्पादन अब यूपी में होता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश ड्रोन तकनीक, सौर ऊर्जा उपकरण और नवाचार आधारित इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण में तेजी से प्रगति कर रहा है। राज्य में प्रमुख ड्रोन निर्माता 'राफे' काम कर रहा है, जबकि सौर ऊर्जा क्षेत्र की चार बड़ी कंपनियां संयंत्र स्थापित कर रही हैं। विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने प्रदेश की नीतियों और बुनियादी ढांचे की सराहना की तथा निवेश बढ़ाने के संकेत दिए। ब्यूरो

सिंगापुर देगा कौशल विकास, औद्योगिक विस्तार को नई दिशा

लखनऊ। यूपी को वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से इन्वेस्ट यूपी का अंतरराष्ट्रीय संपर्क अभियान तेज हो गया है। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) शशांक चौधरी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर में कौशल विकास, सतत विनिर्माण और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ाने पर केंद्रित कई रणनीतिक बैठकें कीं। टीम ने स्पष्ट किया कि इन्वेस्ट यूपी का कौशल कनेक्ट प्रकोष्ठ उद्योग की जरूरतों के अनुरूप युवाओं को मांग आधारित प्रशिक्षण, अप्रेंटिसशिप और हरित रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सशक्त तंत्र के रूप में कार्य कर रहा है। यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक सिंगापुर स्थित आईपीएसई आईपीएसए आईपीसुम के साथ हुई जो मुरादाबाद में फर्नीचर विनिर्माण इकाई संचालित करता है। संस्थापक सौरभ मंगला ने प्रदेश में अपनी इकाई का विस्तार करने में रुचि जताई। ब्यूरो